RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 | मुंबई : शनिवार 30 अगस्त 2025 | वर्ष 07 | अंक 132 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 4 | कीमत : 03 रुपये

दैनिक रोकठोक लेखनी

खबरें बे-रोकटोक

नवी मुंबई: कर्ज न चुका पाने पर हमला, किडनी निकालने की धमकी...

Page - 3

मनोज जरांगे को मुंबई में प्रदर्शन के लिए एक और दिन की मिली इजाजत...

गिरफ्तारी की भी मांग... !

मुंबई : मुंबई पुलिस ने मनोज जरांगे को शहर के आजाद मैदान में प्रदर्शन करने के लिए एक और दिन की इजाजत दे दी है. अब वो शनिवार (30 अगस्त) को भी अपना आंदोलन जारी रख सकते हैं. जरांगे ओबीसी के तहत मराठा समुदाय के लिए 10 फीसदी आरक्षण की मांग कर रहे हैं. उधर सीनियर वकील गुणरत्न सदावर्ते की महाराष्ट्र पुलिस के महानिदेशक, मुंबई पुलिस आयुक्त और वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, आजाद मैदान स्टेशन में शिकायत की. शिकायत में दावा किया कि मराठा आंदोलक मनोज जरांगे और आंदोलनकारियों ने तय की गई शर्तों और नियमों का पालन न करते हुए आंदोलन किया. इसी आधार पर जरांगे के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी की मांग की गई है.

जरांगे की तरफ से पुलिस को कहा गया है कि आंदोलन की अनुमति की मूल प्रति साथ रखी जाएगी. पुलिस के नियमित संपर्क के लिए पांडुरंग मारक को नियुक्त किया जाएगा. स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं से चर्चा कर पीने के पानी और चिकित्सीय सहायता की पर्याप्त व्यवस्था की जाएगी. आंदोलन के कारण यातायात में कोई बाधा नहीं डाली जाएगी. आंदोलन केवल

निर्धारित स्थल पर ही होगा. आंदोलन का समय सुबह 9:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक रहेगा. आंदोलन के दौरान दस्तावेज, पुस्तकें या तस्वीरें नहीं जलेंगी और न ही खाना पकाने या कचरा फैलाने की अनुमति होगी. इसके अलावा लाउडस्पीकर का उपयोग बिना अनुमति नहीं किया जाएगा, और यदि अनुमति दी गई तो केवल सुबह 9:30 से शाम 5:30 बजे तक ही होगा.

मनोज जरांगे ने क्या कहा?

1. **हम चाहते हैं कि सरकार हमें आरक्षण दे और हमारी सभी मांगें मान ले.**
2. **मैं मुख्यमंत्री से आग्रह करता हूं कि वह मराठों का आक्रोश न भड़कने दें.**
3. **आप मुझे गोली मार सकते हैं या जेल में डाल सकते हैं.**
4. **मैं जेल में सड़ जाऊंगा, लेकिन जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, तब तक मैं हिलूंगा नहीं.**

मनोज जरांगे द्वारा पुलिस को दिया गया आश्वासन

1. **आंदोलन में शामिल कोई भी व्यक्ति लाठियां, आग्नेयास्त्र, भाले, तलवारें या अन्य हथियार अपने साथ नहीं रखेगा.**
2. **कोई भी व्यक्ति उकसाने वाले भाषण या किसी भी समूह के बीच वैर-भाव पैदा करने वाली भाषा का प्रयोग नहीं करेगा.**
3. **आंदोलन के दौरान सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान, सरकारी कर्मचारियों पर हमला या आगजनी जैसी कोई भी गतिविधि नहीं होगी.**
4. **सभी प्रतिभागी पुलिस के कानूनी निर्देशों का तुरंत पालन करेंगे.**
5. **किसी भी धर्म या वर्ग का अपमान नहीं किया जाएगा और धार्मिक स्थलों या पवित्र वस्तुओं को नुकसान नहीं पहुंचाया जाएगा.**
6. **आंदोलन स्थल से जुलूस निकालने की कोशिश नहीं होगी और पुलिस की सभी हिदायतों का पालन किया जाएगा.**
7. **अनुयायियों को नियंत्रण में रखने की जिम्मेदारी मेरी और आयोजकों की होगी. इसमें विफल रहने पर मेरे व आयोजकों पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा.**
8. **एफिडेविट में लिखे गए सभी नियमों का पालन किया जाएगा और पुलिस को पूरा सहयोग दिया जाएगा.**
9. **यातायात में कोई बाधा नहीं डाली जाएगी– जरांगे का आश्वासन**
10. **बिना इजाजत लाउडस्पीकर का इस्तेमाल नहीं– जरांगे का आश्वासन**

मुंबई में हादसा : साकी नाका इलाके में रिटेनिंग वॉल ढही...

एक महिला की मौत !

मुंबई : अंधेरी इलाके के साकी नाका क्षेत्र में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ। गुलाब बाबा सोसायटी में अचानक रिटेनिंग वॉल (सपोर्टिंग दीवार) ढह गई, जिसमें एक महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान 45 वर्षीय मंगला गावंकर के रूप में हुई है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, दोपहर के समय यह दीवार अचानक भरभराकर गिर गई और मंगला गावंकर उसकी चपेट में आ गईं। हादसे के तुरंत बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घायल महिला को आसपास के लोगों ने तत्परता दिखाते हुए पास के अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मुंबई में लगातार हो रही बारिश के कारण शहर के कई इलाकों में मिट्टी धंसने और निमार्णाधीन ढांचों के गिरने की घटनाएं बढ़ गई हैं। साकीनाका की यह घटना भी इसी से जोड़कर देखी जा रही है।

दूसरी ओर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के मंडावली में भी शुक्रवार को बारिश के बीच एक खाली पड़े मकान की दीवार गिर गई। इस हादसे में घर लौट रहे तीन स्कूली बच्चे बाल-बाल बच गए। बच्चों को मामूली चोटें आई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, ''बड़ा चौक के पास मंडावली से दोपहर 12.58 बजे एक कॉल आई, जिसमें एक महिला ने बताया कि एक दीवार गिर गई है और कुछ स्कूली बच्चे उसके नीचे फंस गए हैं।'' इस बीच, दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय लोगों और एक पीसीआर टीम ने तीनों बच्चों को बचा लिया है।

पति से तंग आकर 28 साल की महिला ने की आत्महत्या !

मुंबई : गोरेगांव इलाके में 28 साल की सारीका अमोल राउत ने पति के उत्पीड़न से तंग आकर अपने घर में आत्महत्या कर ली। यह घटना गोरेगांव के एसआरपीएफ कैंप में हुई, जहां सारीका अपने परिवार के साथ रहती थी। पुलिस ने इस मामले में सारीका के पति, अमोल राउत (34), जो स्टेट रिजर्व पुलिस फोर्स (एसआरपीएफ) में कॉन्स्टेबल हैं, उसे नासिक से गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, सारीका लंबे समय से अपने पति अमोल के व्यवहार से परेशान थी। अमोल का कथित तौर पर किसी दूसरी महिला के साथ अफेयर था, जिसके चलते सारीका मानसिक तनाव और अवसाद में चली गई थी।

बताया जा रहा है कि अमोल द्वारा लगातार उत्पीड़न और भावनात्मक दबाव के कारण सारीका ने यह कठोर कदम उठाया। सारीका अपने घर में फांसी पर लटकी मिली, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। सारीका के भाई ने इस मामले में वनराय पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की, जिसमें उन्होंने अमोल पर अपनी बहन को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया। शिकायत के आधार पर वनराय पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू की और अमोल राउत को नासिक से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अमोल के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के तहत मामला दर्ज किया है।

सारीका के पड़ोसियों और रिश्तेदारों ने बताया कि वह एक शांत और सौम्य स्वभाव की महिला थी, जो अपने परिवार के लिए समर्पित थी। पति-पत्नी के बीच चल रहे तनाव की बातें पहले भी सामने आ चुकी थीं, लेकिन किसी ने नहीं सोचा था कि यह इतना गंभीर रूप ले लेगा। मुंबई पुलिस इस मामले की गहराई से जांच कर रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या अमोल का दूसरी महिला के साथ संबंध था और इसने सारीका को कितना प्रभावित किया। साथ ही, पुलिस सारीका के परिवार और दोस्तों से भी पूछताछ कर रही है ताकि इस दुखद घटना के पीछे की पूरी सच्चाई सामने आ सके।

मुंबई : 30 वर्षीय व्यक्ति अवैध बंदूक के साथ गिरफ्तार

मुंबई : मुंबई पुलिस की अपराध इकाई 7 ने विक्रोली पश्चिम के टैगोर नगर के पास एक 30 वर्षीय व्यक्ति को अवैध बंदूक के साथ गिरफ्तार कर उसके खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। अधिकारियों के अनुसार, 28 अगस्त को सुबह करीब 10:30 बजे, एक गोपनीय सूचना के आधार पर, पुलिस की एक टीम ने राजमार्ग पर विक्रोली स्टेशन बस स्टॉप के पास एक संदिग्ध को रोका।

नवी मुंबई के तुर्भे नाका निवासी और कपड़ा व्यापारी इरफान मुस्तफा अंसारी (30) के रूप में पहचाने गए आरोपी के पास से ₹50,000 मूल्य की एक देसी लोहे की पिस्तौल और ₹500 मूल्य के दो जिंदा कारतूस बिना किसी कानूनी लाइसेंस के बरामद किए गए।

संपादकीय...

सीखने की प्रक्रिया...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के नवीनतम समग्र मॉड्युलर शिक्षा सर्वेक्षण के नतीजों ने एक जाहिर तथ्य को रेखांकित किया है और वह यह कि सरकारी स्कूलों की व्यवस्था विफल हो रही है। यह हमारे जनसांख्यिकीय रुझानों को भी प्रभावित कर रहा है। सर्वेक्षण बताता है कि 2017-18 से शहरी और ग्रामीण इलाकों में सरकारी स्कूलों में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति कम हुई है। ग्रामीण भारत में तो उपस्थिति में गिरावट चिंताजनक स्तर पर रही है। वहां सरकारी स्कूलों में उच्चतर माध्यमिक शिक्षा लेने वाले विद्यार्थी 68 फीसदी से घटकर 2025 में 58.9 फीसदी रह गए। शहरी इलाकों में कम गिरावट आई और यहां ऐसे विद्यार्थी 38.9 फीसदी से कम होकर 36.4 फीसदी रह गए। नए नामांकनों की बात करें तो उनमें भी सभी स्तरों पर भारी गिरावट आई है। प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर स्तर की बात करें तो प्राथमिक और माध्यमिक में तीव्र गिरावट आई है।

सरकारी स्कूलों में बच्चों की संख्या इतनी तेजी से कम होने के बावजूद एक तथ्य यह भी है कि निजी शिक्षा भी कोई सस्ती नहीं है। सर्वेक्षण बताता है कि सरकारी स्कूलों में अभिभावकों द्वारा होने वाला शैक्षणिक व्यय, निजी स्कूलों में होने वाले खर्च की तुलना में बहुत मामूली होता है। ग्रामीण भारत में दोनों में सात गुने का अंतर है। विडंबना यह है कि कई प्रमाण बताते हैं कि निजी स्कूल भी बहुत स्तरीय शिक्षा नहीं प्रदान कर रहे हैं। सर्वे बताता है कि तकरीबन 27 फीसदी बच्चे निजी कोचिंग में पढ़ते हैं। इनमें 31 फीसदी शहरी और 25.5 फीसदी ग्रामीण इलाकों में रहने वाले हैं। सरकारी से महंगी निजी शिक्षा की ओर इस स्थानांतरण को बढ़ती समृद्धि और छोटे परिवारों में इजाफे के रूप में भी देखा जा सकता है जिसके चलते अधिक भारतीय अपने बच्चों को उन निजी स्कूलों में भेज पा रहे हैं जो उनकी दृष्टि में अच्छे हैं। हालांकि बहुत से निजी स्कूल किताब, गणवेश और अन्य चीजों के बदले भी पैसे लेते हैं। परंतु सरकारी स्कूलों की लगातार खस्ता होती हालत ने भी निजी स्कूलों का चयन किए जाने में अहम भूमिका निभाई है। बुनियादी समस्या जवाबदेही की कमी में है जिसके चलते अधोसंरचना कमजोर है और शिक्षण के मानकों में भी काफी अंतर है। शिक्षकों की गैरमौजूदगी के रूप में इसे भलीभांति महसूस किया जा सकता है। देश के सरकारी स्कूलों के शिक्षकों का वेतन विकासशील देशों में तुलनात्मक रूप से सबसे बेहतर है। खासतौर पर छठे और सातवें वेतन आयोग के बाद इनमें काफी सुधार हुआ है। इसके बावजूद देशव्यापी सर्वेक्षण बताता है कि शिक्षकों की अनुपस्थिति 25 फीसदी तक और कुछ राज्यों में यह 46 फीसदी तक हो सकती है। एक ओर शिक्षक अपना काम नहीं कर रहे हैं तो वहीं सरकारी स्कूलों में बड़े पैमाने पर रिक्तियां समस्या को और बढ़ाती हैं। निजी स्कूलों में वेतन भत्ते सरकारी स्कूलों से कम होने के बावजूद वहां ऐसी समस्या नहीं है, जबकि वहां पेंशन या अन्य लाभ भी नहीं मिलते।

Rokthok Lekhani News Update
WhatsApp group

editor@rokthoklekhani.com
+91 9987775650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

मुंबई : मराठा समुदाय के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण की मांग!

मनोज जरांगे की भूख हड़ताल शुरू...

मुंबई : मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे की मुंबई में भूख हड़ताल शुरू हो गई है। मनोज जरांगे शुक्रवार सुबह मुंबई के आजाद मैदान पहुंचे, जहां मराठा आरक्षण की मांग को लेकर जरांगे और उनके समर्थक एक दिवसीय भूख हड़ताल कर रहे हैं। सैकड़ों वाहनों के काफिले के साथ मनोज जरांगे ने बुधवार को जालना जिले के अपने गांव से मार्च शुरू किया था। शुक्रवार को मुंबई में प्रवेश करते ही वाशी में समर्थकों ने उनका स्वागत किया। उनके हजारों समर्थक पहले ही मुंबई पहुंच चुके हैं।

मराठाओं को कुनबी के रूप में मान्यता देने की मांग

43 वर्षीय जरांगे अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी के तहत मराठा समुदाय के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण की मांग कर रहे हैं। जरांगे ने कहा है कि उनके समर्थक शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन करेंगे और गणेश उत्सव में कोई बाधा नहीं डालेंगे। जरांगे की मांग है कि सभी मराठों को कुनबी के रूप में मान्यता दी जाए। कुनबी एक कृषक वर्ग से जुड़ी जाति है, जो ओबीसी श्रेणी में शामिल है। जिससे उन्हें सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण का फायदा मिलेगा। जालना पुलिस ने जरांगे और उनके समर्थकों पर 40 शर्तें लगाने के बाद उन्हें मार्च जारी रखने की अनुमति दी थी, जिसमें उन्हें कानून-व्यवस्था बनाए रखने, वाहनों की आवाजाही में बाधा न डालने और आपत्तिजनक नारे लगाने से बचने का निर्देश दिया गया। मुंबई पुलिस ने जरांगे को 29 अगस्त को सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे के बीच आजाद मैदान में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने की अनुमति दी है। पुलिस ने कहा कि शाम 6 बजे सभी प्रदर्शनकारियों को वहां से चले जाना होगा।

मुंबई में सुरक्षा के कड़े इंतजाम

पुलिस ने यह भी शर्त रखी है कि प्रदर्शनकारियों के केवल पांच वाहन ही आजाद मैदान जा सकते हैं और वहां प्रदर्शनकारियों की संख्या 5,000 से अधिक नहीं होनी चाहिए। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए मुंबई पुलिस ने आजाद मैदान में 1500 पुलिसकर्मियों को तैनात किया है। जरांगे के समर्थकों को ध्यान में रखते हुए रेलवे पुलिस ने छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पर भी सुरक्षा बढ़ा दी है।

'हमें मराठा आरक्षण दो या देखते ही गोली मारने का आदेश दो'

मनोज जरांगे के मराठा आरक्षण आंदोलन में भाग लेने के लिए आजाद मैदान पहुंचे नांदेड़ के एक किसान मारुति पाटिल ने कहा, 'अगर आप हमें आरक्षण नहीं दे सकते, तो हमें गोली मार दो।' अन्य प्रदर्शनकारियों ने भी मारुति पाटिल के आक्रामक रुख को दोहराया और कहा कि वे तब तक नहीं जाएंगे जब तक आरक्षण आंदोलन की जीत नहीं हो जाती। मराठा आरक्षण समर्थक मारुति पाटिल ने न्यूज एजेंसी पीटीआई के साथ बातचीत में कहा कि 'अगर आप हमें आरक्षण नहीं दे सकते, तो हम जीना नहीं चाहते। सरकार को देखते ही गोली मारने का आदेश दे देना चाहिए और हमें मार देना चाहिए। सरकार को अंदाजा नहीं है कि हमारी जिंदगी कितनी मुश्किल है।'

पाटिल की तरह ही जरांगे के कई समर्थक पहले ही मुंबई पहुंच गए और पेड़ों के नीचे, फुटपाथों पर और रेलवे और मेट्रो स्टेशन के अंदर शरण लिए हुए हैं। पाटिल ने कहा, 'यह शर्मनाक है कि सरकार ने आंदोलन में भाग लेने वालों की सुरक्षा के लिए कोई अस्थायी ढांचा बनाने की जहमत नहीं उठाई। सब कुछ गीला है, और जमीन कीचड़ से भरी है।' बीड जिले के परली इलाके के मोहा गांव निवासी उद्धव निंबालकर ने नाराजगी जताते हुए कहा कि अगर इस रैली का नेतृत्व कोई प्रमुख नेता कर रहा होता, तो नगर निगम बड़े-बड़े पंडाल और शेड बनवा देता।

मुंबई में डेढ़ दिन के गणपति की करीब 30,000 मूर्तियों का किया गया विसर्जन

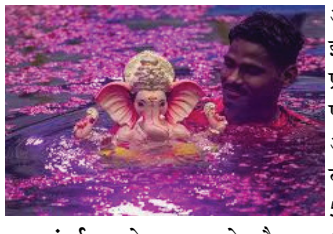

मुंबई : गणेश उत्सव के दौरान गुरुवार रात तक करीब 30,000 गणपति प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (इटउ) ने यह जानकारी दी। बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि 10 दिवसीय उत्सव के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु गणेश स्थापना के डेढ़ दिन, पांच दिन और सात दिन बाद मूर्तियों का विसर्जन करते हैं। उन्होंने बताया कि इस प्रक्रिया के दौरान शहर में अब तक किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है। बीएमसी अधिकारी ने बताया, ''उत्सव के दूसरे दिन गुरुवार रात 9 बजे तक 'डेढ़ दिन' के गणपति की कुल 29,965 प्रतिमाओं का विसर्जन समुद्र, अन्य जलाशयों और कृत्रिम तालाबों में किया गया। इनमें 29,614 'घरेलू' गणपति प्रतिमाएं और 337 'सार्वजनिक' पंडालों की प्रतिमाएं शामिल हैं।'' अधिकारी ने बताया कि अपराह्न तीन बजे तक 'डेढ़ दिन' के गणपति की 583 प्रतिमाओं में से 55 प्रतिशत से अधिक या 326 का विसर्जन कृत्रिम जलाशयों में किया गया।

गणपति विसर्जन 288 कृत्रिम तालाब बनाए गए

इस वर्ष बीएमसी ने (समुद्र तट सहित) 70 प्राकृतिक जलाशयों को चिन्हित किया है तथा विसर्जन के लिए 288 कृत्रिम तालाब स्थापित किए हैं। पर्यावरण संरक्षण के उपायों के तहत, बीएमसी ने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे अपनी पर्यावरण अनुकूल गणपति प्रतिमाओं को ड्रम या बाल्टियों में विसर्जित करें, जबकि 'प्लास्टर ऑफ पेरिस' की 6 फुट से कम ऊंचाई वाली मूर्तियों को कृत्रिम तालाबों में विसर्जित किया जाए।

मुंबई : दर्दनाक हादसा... 3 साल की बच्ची टेंपो की चपेट में आ गई

मुंबई : घाटकोपर इलाके में दर्दनाक हादसा हुआ है। नारायण नगर क्षेत्र में खेल रही 3 साल की बच्ची टेंपो की चपेट में आ गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद टेंपो के चालक में पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। घटना से स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है।

घर के बाहर खेल रही बच्ची टेंपो के नीचे आई

पुलिस की तरफ से मिली जानकारी के मुताबिक घटना बीते शनिवार की है। मुंबई के घाटकोपर इलाके में नारायण नगर के पास एक 3 साल की मासूम बच्ची घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान वहां से गुजर रहे एक टेंपो का अगला पहिया बच्ची के ऊपर चढ़ गया। हादसे के बाद बच्ची को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना का वीडियो हो रहा वायरल

यह पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फुटेज में साफ दिखाई दे रहा है कि बच्ची सड़क किनारे खेल रही थी और टेंपो गुजरते वक्त उस पर चढ़ गया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे लोग भावुक और गुस्से में हैं।

मामले में मृतक लड़की की मां की शिकायत के आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया। घटना के बाद टेंपो के चालक में पुलिस के पास सरेंडर कर दिया। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 106(1) और अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया।

मुंबई : एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग की बड़ी कार्रवाई !

19.65 करोड़ का हाइड्रोपोनिक वीड बरामद

मुंबई : एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने दो दिनों में तगड़ी कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में नशीला पदार्थ बरामद किया है. 26 और 27 अगस्त को एयरपोर्ट कमिश्नरेट, मुंबई कस्टम जोन-III की टीम ने कुल 19.65 किलो हाइड्रोपोनिक वीड (मारिजुआना) पकड़ा है, जिसकी काले बाजार में कीमत करीब 19.65 करोड़ रुपये बताई जा रही है. इस दौरान तीन अलग-अलग केस में कुल चार यात्रियों को गिरफ्तार किया गया.

पहला और दूसरा केस (26 अगस्त 2025) कस्टम अधिकारियों ने प्रोफाइलिंग के आधार पर बैंकॉक से आए दो यात्रियों को छत्रपति शिवाजी महारा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रोका. ये यात्री फ्लाइट नंबर 6ई-760 से मुंबई पहुंचे थे. जांच के दौरान उनके ट्रॉली बैग से 11.64 किलो हाइड्रोपोनिक वीड बरामद हुआ, जिसकी कीमत लगभग 11.64 करोड़ रुपये है. नशे की खेप बैग में बेहद चालाकी से छिपाई गई थी. दोनों यात्रियों को NDPS एक्ट, 1985 के तहत गिरफ्तार किया गया.

कस्टम को मिली पुख्ता सूचना के आधार पर एक और कार्रवाई की गई. इस बार दो यात्री फुकेट से फ्लाइट नंबर 6ए-1072 के जरिए मुंबई पहुंचे थे. उनके सामान की जांच में 8.01 किलो हाइड्रोपोनिक वीड मिला, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 8.01 करोड़ रुपये आंकी गई. यह खेप भी ट्रॉली बैग में छिपाकर लाई गई थी.

नवी मुंबई: कर्ज न चुका पाने पर हमला, किडनी निकालने की धमकी...

नवी मुंबई: नवी मुंबई में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। एक व्यक्ति ने अपने दोस्त पर कर्ज न चुका पाने पर हमला किया। आरोप है कि उसने दोस्त को किडनी निकालने की धमकी भी दी। यह घटना 9 अगस्त को हुई। पीड़ित ने 26 अगस्त को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने कहा कि पीड़ित ने शिकायत में देरी के लिए किसी कारण का जिक्र नहीं किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

क्या है पूरा मामला?

पीड़ित नवी मुंबई के पनवेल स्थित अकुरली निवासी एक ऑटो-रिक्शा चालक है। पुलिस ने बताया कि 2018 में पीड़ित ने ऑटो-रिक्शा खरीदने के लिए एक निजी बैंक से लोन लिया था और इसमें उसका यह दोस्त जमानतदार था। पनवेल थाने के एक अधिकारी ने बताया कि शिकायत के अनुसार, ऑटो-रिक्शा चालक लोन की किश्तें चुकाने में विफल रहा। इस कारण बैंक ने उसका वाहन जब्त कर लिया और जमानतदार का खाता फ्रीज कर दिया।

मुंह में रूमाल ठूंसकर पिटाई की

इसके बाद नौ अगस्त को दोनों लोग बैंक पहुंचे जहां, उनसे 36 हजार रुपये का बकाया चुकाने को कहा गया। अधिकारी ने बताया कि बैंक जाने के बाद आरोपी अपने दोस्त को मामले पर बात करने के बहाने मोटरसाइकिल पर पनवेल के वाजेगांव स्थित अपने घर ले गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने अपने घर में अपने दोस्त को कुर्सी पर बैठाया और फिर कथित रूप से उसके हाथ-पैर बांध दिए तथा उसके मुंह में रूमाल ठूंसने के बाद उसकी पिटाई की।

किडनी निकालने और खून बेचने की धमकी दी

अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने पीड़ित को धमकी दी कि अगर उसने पैसे नहीं दिए तो वह उसकी किडनी निकाल लेगा और उसका खून बेच देगा। उन्होंने बताया कि हमले के दौरान आरोपी ने पीड़ित की जेब से 12,300 रुपये कथित तौर पर छीन लिए और उसे छोड़कर भाग गया।

पुलिस ने दर्ज किया केस

पुलिस ने बताया कि शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 127(7) (बंधक बनाना), 118(1) और 115(2) (जानबूझकर चोट पहुंचाना), 351(2) (आपराधिक धमकी) और 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) समेत अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया।

मुंबई : दुर्घटना में 28 वर्षीय एक पैदल यात्री की मौत!

मुंबई : अंधेरी पश्चिम में एक दुर्घटना में 28 वर्षीय एक पैदल यात्री की मौत हो गई। अंधेरी पश्चिम निवासी 28 वर्षीय भरतनाथ बिष्ट, वीरा देसाई रोड पर पैदल जा रहे थे, तभी आजाद नगर मेट्रो स्टेशन से उत्तर दिशा की ओर आ रहे एक टेंपो ने उन्हें सामने से कुचल दिया, जिससे उनकी मौत हो गई।

अंधेरी पश्चिम निवासी टेंपो चालक, 37 वर्षीय नमिश वाल्मीकि ने राहगीरों की मदद से पीड़ित को जुहू स्थित कूपर अस्पताल पहुँचाया। अंबोली पुलिस ने टेंपो चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

मुंबई: म्हाडा कोंकण बोर्ड ने ठाणे-वसई में 5285 फ्लैटों और 77 प्लॉटों के लिए आवेदन की अंतिम तारीख बढ़ाई...

मुंबई: मुंबई में घर खरीदने का सपना देख रहे लोगों के लिए गुड न्यूज है। महाराष्ट्र आवास एवं क्षेत्र विकास प्राधिकरण (म्हाडा) ने कोंकण बोर्ड की लॉटरी 2025 के लिए आवेदन की तारीख बढ़ा दी है। अब आप 5,285 फ्लैट और 77 प्लॉट के लिए 12 सितंबर तक आवेदन कर सकते हैं। यह मौका ठाणे और वसई में घर खरीदने का है। पहले अंतिम तारीख 28 अगस्त थी। हालांकि लॉटरी का ड्रा 9 अक्टूबर को होगा। दरअसल कोंकण हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट बोर्ड म्हाडा की एक इकाई है। इसने दूसरी बार ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि बढ़ाई है।

5,200 से ज्यादा फ्लैट और 77 प्लॉट उपलब्ध

ठाणे शहर और जिले और वसई (पालघर जिला) में अलग-अलग आवासीय योजनाओं के तहत कुल

5,285 फ्लैट और 77 आवासीय प्लॉट बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। आवेदक अब 12 सितंबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। पहले बढ़ाई गई समय सीमा 28 अगस्त तक थी। कोंकण बोर्ड की मुख्य अधिकारी रेवती गायकर ने बताया कि कम्प्यूटरीकृत लॉटरी ड्रॉ 9 अक्टूबर 2025 को डॉ काशीनाथ घनेकर सभागार, ठाणे में आयोजित किया जाएगा। संशोधित कार्यक्रम के अनुसार, ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 12 सितंबर, रात 11:59 बजे तक है। बयाना राशि 13 सितंबर, रात 11:59 बजे तक ऑनलाइन जमा की जा सकती है। वैकल्पिक रूप से आवेदक 15 सितंबर, रात 11:59 बजे तक बैंकों के माध्यम से एनईएफटी/आरटीजीएस के माध्यम से भी भुगतान कर सकते हैं।

केवल वे आवेदक जो सभी आवश्यक दस्तावेज पूरे करके भुगतान करेंगे, लॉटरी के लिए पात्र माने जाएंगे। पात्र आवेदकों की एक मसौदा सूची 22 सितंबर को शाम 6 बजे म्हाडा की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएगी।

कब निकलेगा रिजल्ट?

आवेदक 24 सितंबर, शाम 6 बजे तक ऑनलाइन दावे और आपत्तियां जमा कर सकेंगे। पात्र आवेदकों की अंतिम सूची 7 अक्टूबर को शाम 6 बजे प्रकाशित की जाएगी, और सफल और प्रतीक्षा सूची वाले आवेदकों के नाम लॉटरी के दिन, 9 अक्टूबर को वेबसाइट पर उपलब्ध होंगे।

चंद्रपुर : दर्दनाक सड़क हादसा : ट्रक ने टक्कर मार दी... हादसे में छह यात्रियों की मौत!

चंद्रपुर : महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। राजुरा-गढ़चांदूर मार्ग पर

कपाणगांव के पास राजुरा से पंचगांव जा रहे एक ऑटो को सामने से आ रहे एक ट्रक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में छह यात्रियों की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल यात्री को चंद्रपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। एक अन्य घायल का राजुरा उप जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। यह दर्दनाक हादसा 28 अगस्त की शाम को हुआ। बताया जा रहा है कि राजुरा से पंचगांव जा रहा एक ऑटो चालक यात्रियों को लेकर जा रहा था। इसी दौरान सामने से आ रहे एक ट्रक ने ऑटो को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पूरा ऑटो चकनाचूर हो गया और तीन यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। तीन घायलों को चंद्रपुर जिला अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में उनकी भी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर राजुरा पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुँचाने के बाद ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

मुंबई : विशेष छापों के दौरान २१८ किलोग्राम मिलावटी पनीर और ४७८ लीटर दूषित दूध नष्ट...

मुंबई : त्योहारों के मौसम की शुरूआत के साथ ही एफडीए ने मुंबई में मिलावटखोरी के खिलाफ अपनी सतर्कता बढ़ा दी है। अधिकारियों ने ४२ खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया है। प्रयोगशाला परीक्षण के लिए ५५ खाद्य नमूने एकत्र किए हैं और विशेष छापों के दौरान २१८ किलोग्राम मिलावटी पनीर और ४७८ लीटर दूषित दूध नष्ट किया है।

एंटॉप हिल में पुलिस के साथ

मिलकर की गई एक बड़ी कार्रवाई में एफडीए अधिकारियों ने बिना लेबल के बेचे जा रहे एनालॉग चीज को जब्त किया। खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए रख लिए गए, जबकि शेष २१८ किलो चीज को बाजार में पनीर के रूप में बेचे जाने से रोकने के लिए मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। एफडीए के संयुक्त आयुक्त (खाद्य) मंगेश माने ने पुष्टि की कि नष्ट किए गए चीज की अनुमानित कीमत ५४,६२५ रुपए है। दहिसर में एक अन्य मामले में विभिन्न ब्रांडों के दूध में मिलावट करने वाले एक मिलावटखोर को पकड़ा गया, जिसके परिणामस्वरूप उपभोक्ताओं के लिए असुरक्षित समझे गए ४७८ लीटर दूध को जब्त कर नष्ट कर दिया गया।

मुंबई एलटीटी ट्रेन में उठने लगा धुंआ, सहमे यात्री... घंटों रुकी रही नमो भारत

मुंबई : डाउन लाइन में मुंबई लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस ने अचानक ब्रेक बाइंडिंग के कारण खुसरूपुर के पास शाम 05:45 में रोकी गयी, जिसके कारण फतुहा स्टेशन पर नमो भारत ट्रेन 07:46 बजे तक खड़ी रही. बताया जा रहा है कि ट्रेन में तकनीकी खराबी आने से ब्रेक बाइंडिंग हुई, जिससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई. सूत्रों की मानें, तो इंजन से चौथे डिब्बे के

पहियों में ब्रेक बाइंडिंग के कारण धुंआ उठने लगा, जिससे यात्रियों में दहशत फैल गयी. घटना की सूचना मिलते ही रेलवे की तकनीकी टीम मौके पर पहुंची और खराबी को ठीक किया. इसके बाद ट्रेन गंतव्य स्टेशन के लिए रवाना हुई. हालांकि, रेलवे अधिकारियों ने ब्रेक फेल होने या आग लगने की बात से इन्कार किया है. इधर कई ट्रेनें विभिन्न स्टेशनों पर रुकी रही. इस कारण विभिन्न स्टेशनों पर यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा. इस संदर्भ में स्टेशन प्रबंधक रंजीत कुमार ने कुछ भी बताने से इन्कार किया.

मुंबई लोकल ट्रेन में हंगामा, लड़की को बनाया निशाना; नंगे रहना है तो बुर्का मत पहनो...

मुंबई : मुंबई शहर की जीवन रेखा मानी जाने वाली लोकल ट्रेनों में लोगों की सुरक्षा को लेकर आए दिन चिंताएँ और सवाल उठ रहे हैं. हाल ही में, मुंबई की एक लोकल ट्रेन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. जिसमें एक मुस्लिम महिला दूसरी महिला से कपड़ों को लेकर बहस करती नजर आ रही है. अब इस घटना को लेकर लोगों में बहस भी शुरू हो गई है.

एक लोकल ट्रेन का वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें बुर्का पहने एक महिला अपनी सहेलियों से बहस करती नजर आ रही है. इस घटना ने आजादी, पहचान और धार्मिक अभिव्यक्ति जैसे विषयों पर ऑनलाइन एक बड़ी बहस छेड़ दी है. 26 अगस्त 2025 को ट्रिनी नाम

की एक यूजर द्वारा पर पोस्ट किए गए इस वीडियो के बारे में दावा किया जा रहा है कि यह मुंबई की एक लोकल ट्रेन के एक डिब्बे का है. वीडियो में एक महिला बुर्का पहने एक लड़की को गुस्से में डांटती हुई सुनाई दे रही है जो अपने हिंदू दोस्तों के साथ यात्रा कर रही थी.

महिला जोर से चिल्लाती है और उस युवती पर समुदाय को बदनाम करने का आरोप लगाती है. वीडियो में महिला को यह कहते हुए सुना जा सकता है, ''इस मुस्लिम लड़की को देखो, यह हमारे समुदाय को बदनाम कर रही है... अगर आपको नंगी घूमना है, तो बिना बुर्के के घूमो. हमारे बुर्के को बदनाम किया जा रहा है.'' इस विवादित और अश्लील टिप्पणी से ट्रेन के कोच में बैठे अन्य यात्री काफी परेशान दिख रहे हैं. कुछ लोग एक-दूसरे को देखते रहे, तो कुछ चुपचाप सब कुछ देखते रहे. जिस लड़की पर टिप्पणी की जा रही थी, वह इस चर्चा के दौरान चुप रही और खुद को व्यथित महसूस कर रही थी. मुंबई की लाइफलाइन कही जाने वाली मुंबई की लोकल ट्रेनों में पुरुषों और महिलाओं के बीच झगड़े के वीडियो आए दिन वायरल होते रहते हैं, लेकिन दो समुदायों के बीच नफरत फैलाने वाली महिला के ट्रेन के डिब्बे से बाहर निकलने के वीडियो ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता, पहचान और सांस्कृतिक संवेदनशीलता पर बहस छेड़ दी है. यह घटना मुंबई की किस लाइन, स्टेशन या ट्रेन में हुई, इसकी कोई जानकारी जारी नहीं की गई है, हालाँकि, इसने अब यात्रियों, खासकर महिलाओं (महिला सुरक्षा ट्रेन) की सुरक्षा को लेकर ऐसे अतिवादी मानसिकता वाले लोगों से सवाल खड़े कर दिए हैं.

नई मुंबई : 'वार्ड चोरी हो गया है'; भाजपा के पूर्व नगरसेवकों ने अपने ही सहयोगी गुट के खिलाफ आवाज उठानी शुरू कर दी

नई मुंबई : राज्य में स्थानीय निकायों के चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज हो गई हैं। मनपा में वार्डों के नए परिसीमन की रिपोर्ट धीरे-धीरे जारी हो रही है। नई मुंबई महानगरपालिका चुनाव का परिसीमन अर्थात प्रभाग रचना घोषित हो गई है। इस प्रभाग रचना पर आरोप लग रहा है कि इसमें एकनाथ शिंदे गुट का वर्चस्व है। सीधे तौर पर रहवासी क्षेत्रों को तोड़ दिए जाने से 'वार्ड चोरी हो गया है' ऐसा आरोप लगाते हुए भाजपा के पूर्व नगरसेवकों ने अपने ही सहयोगी गुट के खिलाफ आवाज उठानी शुरू कर दी है। भाजपा के २४ पूर्व नगरसेवकों को इस प्रभाग रचना से सीधा नुकसान हुआ है। इसी वजह से भाजपा मंत्री गणेश नाईक भी आक्रामक हो गए हैं। उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इस बहाने मंत्री नाईक को उनके ही होमग्राउंड नई मुंबई में चुनौती दे दी है। शिंदे ने सीधे तौर पर

नाईक को घेरने का प्रयत्न किया, जिससे भाजपा में भी नाराजगी बढ़ गई है। मनपा में १११ नगरसेवकों को चुनने के लिए २८ प्रभाग होंगे। इसके लिए प्रभाग रचना घोषित कर दी गई है। लेकिन इस रचना में एकनाथ शिंदे गुट का वर्चस्व दिख रहा है, ऐसे आरोप लग रहे हैं। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे), अजीत पवार गुट, भाजपा और कांग्रेस ने इस पर आक्षेप जताए हैं। प्रभाग रचना पर आपत्ति दाखिल करने की अंतिम तारीख ४ सितंबर तक आपत्तियों की बाढ़ आने की संभावना जताई जा रही है।

मुंबई : 76 करोड़ के कॉर्पोरेट धोखाधड़ी मामले को जांच के लिए ईओडब्ल्यू को सौंपा...

मुंबई : माटुंगा पुलिस ने धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात से जुड़े एक बड़े कॉर्पोरेट धोखाधड़ी मामले को आगे की जाँच के लिए आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) को सौंप दिया है। अब ईओडब्ल्यू के रूप में पंजीकृत यह मामला आईपीसी की धारा 406, 409, 417, 418, 420, सहपठित 120(बी) के तहत दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता ई खार (पश्चिम) निवासी व्यवसायी नीलांग नवनीत शाह (50) हैं।

इस प्राथमिकी में, ज्ञानेश चौधरी, कृष्ण कुमार मस्कारा, विक्रम स्वरूप, प्रोबीर रॉय, नेहा अग्रवाल, रत्नाबली कक्कड़, सुब्रमणि कृष्णप्पा, इवान साहा, उल्पी गुप्ता, सिद्ध नाथ प्रधान, परीक्षित चिरिपाल एंड कंपनी, विक्रम सोलर लिमिटेड (वीएसआई), और विक्रम कैपिटल मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड (वीसीएमपीएल) सहित 13 व्यक्तियों और कंपनियों को आरोपी बनाया गया है।

अपराध की अवधि 1 जनवरी, 2022 से 30 जून, 2024 के बीच है और अपराध स्थल हिंदू कॉलोनी, दीवान प्रकाश बिल्डिंग, दादर (पूर्व) है। प्राथमिकी के अनुसार, शिकायत के अनुसार, शाह का परिचय आरोपी ज्ञानेश चौधरी से जनवरी 2022 में विपिन आनंद नाम के एक व्यक्ति के माध्यम से हुआ था। यह मुलाकात हिंदू कॉलोनी, दादर (पूर्व) में हुई थी। शाह ने अपनी कंपनी सेकलिंक के माध्यम से विक्रम सोलर लिमिटेड के निदेशकों और विक्रम कैपिटल मैनेजमेंट के प्रतिनिधियों को फोटोवोल्टिक मॉड्यूल के निर्यात के लिए अमेरिका स्थित कंपनी कोपिया पावर देवको से मिलवाया।

मुंबई : झोपड़पट्टी पुनर्विकास योजना के उद्देश्य के अनुरूप शीघ्रता से लागू किया जाए - मुंबई हाई कोर्ट

मुंबई : मुंबई हाई कोर्ट ने झोपड़पट्टी पुनर्विकास योजनाओं के कार्यान्वयन में बार-बार होनेवाली देरी पर चिंता व्यक्त की है और झोपड़पट्टी पुनर्विकास प्राधिकरण (एसआरए) को निर्देश दिया है कि योजनाओं को झोपड़पट्टी पुनर्विकास योजना के उद्देश्य के अनुरूप शीघ्रता से लागू किया जाए। अदालत ने कहा कि वैधानिक प्रक्रिया में किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप या बाधा योजना के उस उद्देश्य को ही नष्ट कर देता है, जिसका मकसद झुग्गीवासियों को सुरक्षित आवास उपलब्ध कराना है। न्यायमूर्ति जी. एस. कुलकर्णी और न्यायमूर्ति आरिफ एस. डॉक्टर की खंडपीठ विलेपार्ले स्थित एक झोपड़पट्टी पुनर्विकास परियोजना से जुड़ी दो याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। याचिकाकताओं का आरोप था कि मंजूरी मिलने के बावजूद परियोजना एक प्रतिद्वंद्वी डेवलपर और राजनीतिक प्रतिनिधियों के हस्तक्षेप के चलते अटक गई है। उन्होंने अधिकारियों से प्रारंभ प्रमाणपत्र जारी करने, बेदखली आदेश लागू करने और तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप को रोकने के निर्देश मांगे। अदालत ने कहा कि झोपड़पट्टी पुनर्विकास एक कल्याणकारी कदम है, जिसका प्रमुख उद्देश्य झुग्गीवासियों को पुनर्वास के बिना बेदखल होने से बचाना और उन्हें सम्मानजनक, सुरक्षित और स्वच्छ आवास/रहने की स्थिति उपलब्ध कराना है।

अदालत ने जताया असंतोष

अदालत ने संबंधित अधिकारियों के आचरण पर असंतोष व्यक्त किया और कहा, 'हमें अत्यंत खेद के साथ यह दर्ज करना पड़ रहा है कि एक के बाद एक मामले में प्रतिवादी प्राधिकरण, झोपड़पट्टी अधिनियम के बनाए जाने के मूल उद्देश्य को भूल जाते हैं या अनदेखा करते हैं और डेवलपर्स के हित में कार्य करना जारी रखते हैं। इसी कारण झोपड़पट्टी पुनर्विकास परियोजनाएं अक्सर केवल प्रतिद्वंद्वी डेवलपर्स के टकरावपूर्ण हितों के कारण टल जाती हैं।

अदालत ने जोर दिया कि एसआरए जो एक वैधानिक प्राधिकरण है, का दायित्व है कि वह सुनिश्चित करे कि उक्त झोपड़पट्टी पुनर्विकास योजना शीघ्रता से आगे बढ़े और झोपड़पट्टी अधिनियम का उद्देश्य पूरा हो, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। अदालत ने कहा कि एसआरए का आचरण उसके वैधानिक कर्तव्यों के प्रति निष्ठा नहीं दशार्ता, बल्कि इस योजना को बाधित करने का प्रयास दिखाता है।

शताब्दी अस्पताल में मरीज दर्द से तड़पता रहा

मुंबई : कांदिवली (पश्चिम) के एस.वी. रोड स्थित शताब्दी अस्पताल के नाम से प्रसिद्ध डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर म्युनिसिपल जनरल हॉस्पिटल में हाल ही में एक अजीबोगरीब घटना घटी, जहाँ फ्रैक्चर से पीड़ित एक मरीज को बुनियादी इलाज मिलने से पहले लगभग दो घंटे तक इंतजार करना पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह देरी डॉक्टरों और प्लास्टर लगाने वालों के बीच इस बात को लेकर हुई कि प्लास्टर कौन लगाएगा।

डॉक्टरों ने जोर दिया कि प्लास्टर लगाने वाले उनकी देखरेख में प्रक्रिया करें, जबकि प्लास्टर लगाने वालों का कहना था कि डॉक्टरों को ही आगे आना चाहिए। इस गतिरोध के कारण लंबे समय तक कोई कार्रवाई नहीं हुई, जिससे मरीज दर्द से तड़पता रहा। आखिरकार मामला वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुँचा, जिसके बाद एक अन्य डॉक्टर ने हस्तक्षेप किया और प्लास्टर लगाया। हालाँकि मरीज का अंततः इलाज तो हो गया, लेकिन इस घटना ने पेशेवरता, जवाबदेही और आपात स्थिति के प्रति अस्पताल के कर्मचारियों के रवैये पर चिंताजनक सवाल खड़े कर दिए हैं।

संपर्क कार्याल : रोहिरा हाउस फ्लैट नो 8 दूसरा माला पाकीजा बेकरी के सामने कैडल रोड माहिम पश्चिम मुंबई ४०००१६
मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com
www.rokthoklekaninews.com facebook@rokthoklekhani youtube@rokthoklekhani twitter@rokthoklekhani